दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 04 मार्च 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 157

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर के रियासी में मकान ढहने से महिला और तीन बच्चों की मौत

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को एक घर ढहने से एक महिला और उसके तीन बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि जिले के चसाना इलाके में भूस्खलन की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। चार लोगों का यह परिवार जिंदा दफन हो गया। लगातार बारिश के बाद उनके मिट्टी के घर में भारी भूस्खलन हुआ था। रविवार की रात जब भूस्खलन हुआ तब सभी सो रहे थे। मां और उसके तीन बच्चों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मोहम्मद फरीद की पत्नी 30 वर्षीय फला अख्तर, 5 वर्षीय नसीमा अख्तर, 3 वर्षीय सफीन कौसर और 2 महीने का समीर कौसर सभी की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा, दो व्यक्ति, 60 वर्षीय कालू और उसकी 58 वर्षीय पत्नी बानो बेगम घायल हो गए।

पाकिस्तान में भारी बारिश ने बरपाया कहर, 29 लोगों की मौत; कई मकान ढहे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 48 घंटे के दौरान हुई भारी बारिश के कारण कम से कम 29 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि बारिश के कारण कई घर ढह गए और भूस्खलन से सडक़ें अवरुद्ध हो गईं, खासकर उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में। इसमें कहा गया है कि बीती रात से केपी में बारिश से संबंधित घटनाओं में 23 लोग मारे गए हैं, जबकि दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में बाढ़ के कारण पांच लोगों की मौत हो गई है। दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में तटीय शहर ग्वादर में बाढ़ आने से पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने लगभग 10 हजार लोगों को नावों से निकाला। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को आपातकालीन राहत प्रदान की जा रही है और राजमार्गों को अवरुद्ध करने वाले मलबे को हटाने के लिए भारी मशीनें तैनात की गई हैं। उत्तरी गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र के प्रवक्ता फैजुल्लाह फराक के अनुसार, भूस्खलन के कारण पाकिस्तान को चीन से जोडऩे वाला काराकोरम राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में दक्षिण एशियाई देश का लगभग शून्य योगदान होने के बावजूद पाकिस्तान जलवायु परिवर्तन के प्रति 10 सबसे संवेदनशील देशों में से एक है।

श्रीनगर-जम्मू हाईवे लगातार दूसरे दिन अवरुद्ध

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर की लाइफलाइन श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग भूस्खलन के कारण रविवार को लगातार दूसरे दिन बंद है। यातायात विभाग के अधिकारियों ने कहा कि रामबन जिले में लगातार बारिश के कारण कई भूस्खलन हुए हैं। अधिकारियों ने कहा, यातायात के लिए राजमार्ग को बहाल करने के प्रयास जारी हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे श्रीनगर और जम्मू में हमारे नियंत्रण कक्ष से संपर्क किए बिना यात्रा न करें। बता दें कि सभी आवश्यक आपूर्ति इसी राजमार्ग के जरिए घाटी में पहुंचाई जाती है। इस बीच, श्रीनगर-लेह, मुगल रोड, सिंथन-किश्तवाड़ रोड, बांदीपोरा-गुरेज़ और कुपवाड़ा-तंगधार रोड पर बर्फबारी जारी रही और इसे यातायात के लिए बंद कर दिया गया।

शाहबाज शरीफ चुने गए पाकिस्तान के 24वें प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद। शाहबाज शरीफ पाकिस्तान के 24वें प्रधानमंत्री बन गए हैं। शरीफ को नेशनल असेंबली में 201 सांसदों का साथ मिला। समर्थक उम्मीदवार उमर अयूब के लिए 92 सांसदों ने वोट किया। नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने नतीजों की घोषणा की। शाहबाज कुछ ही देर में संसद को संबोधित करेंगे। शहबाज़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के संयुक्त उम्मीदवार थे। पीएमएल-एन अध्यक्ष शहबाज (72) पाकिस्तान के तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ (74) के छोटे भाई हैं। सभी को हैरत में डालते हुए नवाज शरीफ ने गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए शहबाज का समर्थन किया था। बता दें, नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद का चुनाव न लडऩे का फैसला किया है क्योंकि उनकी पार्टी पीएमएल-एन को अपने दम पर सरकार बनाने के लिए आठ फरवरी को हुए चुनाव में पर्याप्त सीटें नहीं मिली हैं।

1,000 अमृत भारत ट्रेनों का होगा निर्माण, वंदे भारत ट्रेनें होंगी एक्सपोर्ट; रेल मंत्री ने बताया सरकार का प्लान

नई दिल्ली (आरएनएस)। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत आने वाले वर्षों में नयी पीढ़ी की कम से कम 1,000 अमृत भारत ट्रेन का निर्माण करेगा। वहीं, 250 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेन बनाने का काम जारी है। वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने वंदे भारत ट्रेनों के निर्यात पर काम पहले ही करना शुरू कर दिया है और देश द्वारा पहला निर्यात अगले पांच वर्षों में किये जाने की उम्मीद है।

वैष्णव ने बुलेट ट्रेन परियोजना के हिस्से के रूप में मुंबई और ठाणे के बीच भारत की पहली समुद्र के नीचे सुरंग के निर्माण की शुरुआत पर भी बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया में केवल पांच देश हैं, जिनके पास ऐसी तकनीक है। मुंबई और ठाणे के बीच 21 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित सुरंग में 9.7 किलोमीटर की दूरी समुद्र से होकर गुजरेगी, जो इसकी सतह से 54 मीटर नीचे होगी। वैष्णव ने रेलवे के किराया संरचना और उसकी सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा, ''हर साल लगभग 700 करोड़ लोग रेलवे से सफर करते हैं। व्यावहारिक रूप से प्रतिदिन ढाई करोड़ लोग रेलवे से सफर करते हैं। किराया संरचना ऐसी है कि यदि एक व्यक्ति को ले जाने की लागत 100 रुपये है, तो हम 45 रुपये लेते हैं। इसलिए हम रेलवे से यात्रा करने वाले हर व्यक्ति को औसतन 55 प्रतिशत की छूट देते हैं।''

मंत्री ने कहा, हमने अमृत भारत ट्रेन डिजाइन की है, जो एक विश्व स्तरीय ट्रेन है। इसके जरिये केवल 454 रुपये के खर्च पर 1,000 किलोमीटर की यात्रा की जा सकती है।'' वैष्णव ने कहा कि भारत आने वाले वर्षों में कम से कम 1,000 नयी पीढ़ी की अमृत भारत ट्रेनों का निर्माण करेगा और 250 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेन बनाने का काम जारी है। वैष्णव ने रेलवे के कुल वार्षिक व्यय का ब्यौरा दिया और कहा कि पेंशन, वेतन, ऊर्जा खर्च और पट्टा-ब्याज भुगतान पर व्यय क्रमश: 55,000 करोड़ रुपये, 97,000 करोड़ रुपये, 40,000 करोड़ रुपये और 32,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि अन्य 12,000 करोड़ रुपये रखरखाव पर खर्च होते हैं और सभी मिलकर लगभग 2.40 लाख करोड़ रुपये होते हैं।

वैष्णव ने कहा, हम इन सभी खर्चों को पूरा करने में सक्षम हैं, क्योंकि टीम प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में बहुत कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा, आज, रेलवे स्टेशन 10 साल पहले की तुलना में बहुत अलग हैं। स्टेशन और ट्रेनें साफ-सुथरी हैं और हर ट्रेन में जैव-टॉयलेट है। रेल मंत्री के मुताबिक, नयी तकनीक के आने से वंदे भारत जैसी ट्रेनें युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई हैं। वैष्णव ने कहा, ''व्यावहारिक रूप से, हर हफ्ते एक वंदे भारत ट्रेन बेड़े में शामिल हो रही है। हम आने वाले कुछ वर्षों में ही कम से कम 400 से 500 ट्रेन का निर्माण करेंगे। पटरी क्षमता विस्तार पर उन्होंने कहा, ''पिछले साल, हमने 5,200 किलोमीटर का नयी पटरी जोड़ी थी। इस साल, हम 5500 किलोमीटर की नयी पटरी जोड़ेंगे। यह हर साल देश में स्विट्जरलैंड को जोडऩे जैसा है। इसी गति से काम चल रहा है।''

यात्रियों की सुरक्षा पहलों को रेखांकित करते हुए, वैष्णव ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, यात्रियों की सुरक्षा पर 1.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है और हर साल लगभग 7000 किलोमीटर लंबी खराब पटरियों को बदला गया है। उन्होंने भारत में रेल नेटवर्क पर लागू की जा रही स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली 'कवच' की विशेषताओं पर प्रकाश डाला और कहा कि सभी देशों ने 1980 के दशक के आसपास एटीपी को लागू करना शुरू कर दिया था लेकिन उस समय की हमारी सरकारों ने इस महत्वपूर्ण यात्री सुरक्षा सुविधा पर ध्यान केंद्रित नहीं किया।

वैष्णव ने बुलेट ट्रेन परियोजना के कार्यान्वयन में देरी के लिए महाराष्ट्र की पूर्ववर्ती सरकार को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''वापी से अहमदाबाद तक गुजरात खंड पर निर्माण बहुत तेज गति से चल रहा था, लेकिन हम मुंबई से वापी तक खंड पर शुरू नहीं कर सके क्योंकि श्री ठाकरे की सरकार ने हमें इसकी कभी अनुमति नहीं दी। सरकार बदलने के बाद हमें सभी मंजूरी मिल गई।'' उन्होंने इससे इनकार किया कि रेलवे समृद्ध वर्ग को अधिक सुविधाएं देने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा ध्यान गैर-वातानुकूलित कोच पर है क्योंकि हमारे प्रमुख ग्राहक कम आय वाले परिवार हैं। हमारे पास मौजूद 67,000 कोच में से दो-तिहाई गैर-वातानुकूलित हैं।

14 लोगों की मौत की वजह बना क्रिकेट, आंध्र रेल हादसे को लेकर रेल मंत्री ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के कंटाकापल्ली में 29 अक्टूबर 2023 को ट्रेन दुर्घटना हुई थी। इस दुर्घटना में 14 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना में 50 यात्री घायल भी हुए थे। कंटाकापल्ली में हावड़ा-चेन्नई लाइन पर रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन ने विशाखापत्तनम पलासा ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी थी। अब इस घटना को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ड्राइवर और असिस्टेंट ड्राइवर मोबाइल पर क्रिकेट मैच देख रहे थे।

अश्विनी वैष्णव ने बताया, आंध्र प्रदेश में हालिया मामला इसलिए हुआ क्योंकि लोको पायलट और असिस्टेंट पायलट दोनों का ध्यान क्रिकेट मैच के कारण भटक गया था। अब हम ऐसे सिस्टम स्थापित कर रहे हैं जो इस तरह के किसी भी घटना का पता लगा सकते हैं और सुनिश्चित कर सकते हैं कि पायलट और असिस्टेंट पायलट ट्रेन चलाने पर पूरा ध्यान करें।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, हम सुरक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। हम हर घटना के मूल कारण का पता लगाने की कोशिश करते हैं और हम एक समाधान लेकर आते हैं ताकि ये दोबारा न हो।

हालांकि रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा की गई जांच रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। लेकिन दुर्घटना के एक दिन बाद रेलवे की प्रारंभिक जांच में रायगड़ा पैसेंजर ट्रेन के चालक और सहायक चालक को टक्कर के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। उनके ऊपर आरोप था कि नियमों का उल्लंघन कर दो खराब ऑटो सिग्नल उन्होंने पास कर दिए थे। दुर्घटना में चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई थी।

महिला को चलती ट्रेन से टीटीई ने दिया धक्का, रेलगाड़ी-प्लेटफार्म के बीच फंसी; जनरल टिकट लेकर एसी कोच में चढ़ने से था नाराज

फरीदाबाद (आरएनएस)। हरियाणा के फरीदाबाद में झेलम एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच में चढ़ी महिला को टीटीई ने चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। महिला ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच में फंसकर घायल हो गई। मौके पर मौजूद आरपीएफ के जवानों ने चेन पुलिंग करा ट्रेन रुकवाई और बड़ी मुश्किल से महिला को ट्रेन के नीचे से निकाल कर अस्पताल भिजवाया। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। ॉमहिला की शिकायत पर टीटीई के खिलाफ हत्या करने का प्रयास की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

एसजीएम नगर निवासी भावना (40) 29 फरवरी को झांसी में अपनी रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने जा रही थी। बेटी शिल्पा उसे फरीदाबाद स्टेशन पर छोडऩे आई। वह जनरल टिकट लेकर झेलम एक्सप्रेस का इंतजार करने लगी। दोपहर करीब सवा 12 बजे ट्रेन प्लेटफार्म पर आकर रुक गई। भावना सामने आए एसी कोच-1 में चढ़ गई। इसी दौरान ट्रेन चल पड़ी।

भावना ने जीआरपी को शिकायत में कहा कि एसी कोच में चढ़ते ही डयूटी पर तैनात टीटीई ने कहा कि एसी कोच में क्यों चढ़ गई?। डिब्बे से नीचे उतरो। महिला ने कहा कि मेरे पास जरनल टिकट है। मैं जुर्माना देने को भी तैयार हूं। बावजूद टीटीई नहीं माना। महिला ने बताया कि टीटीई ने चलती ट्रेन से पहले उनका सामान बाहर फेंक दिया फिर उसे भी धक्का दे दिया। महिला प्लेटफार्म पर गिरते ही ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गई। ऑन ड्यूटी आरपीएफ कर्मी ने चेन पुलिंग कराई।

इसके बाद लोगों की मदद से उसे ट्रेन के नीचे से निकाला गया। घटना के चलते करीब 10 मिनट तक ट्रेन स्टेशन पर ही रुकी रही। उसके दाएं हाथ के अंगूठे, सिर, कूल्हा व पैर में गंभीर चोटें आई हैं। उसका एनआईटी स्थित ईएसआई अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि यदि 2 मिनट और लेट होता तो महिला की जान जा सकती थी। क्योंकि वह ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच में बुरी तरह से फंस चुकी थी। ट्रेन के रफ्तार पकड़ते ही वह रेलवे लाइन पर आ जाती, उसका बचना मुश्किल था। महिला का कहना है कि जान से मारने की नीयत से टीटीई ने चलती ट्रेन से फेंका।

महिला की शिकायत पर जीआरपी ने हत्या के प्रयास की धारा के तहत टीटीई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जीआरपी थाना प्रभारी राजपाल का कहना है कि रेलवे से टीटीई के बारे में रिकॉर्ड तलब किए जा रहे हैं। अभी आरोपी की पहचान नहीं हो पाई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

मुंबई में रोका गया चीनी जहाज

परमाणु हथियार बनाने का सामान लेकर जा रहा था पाकिस्तान

नई दिल्ली (आरएनएस)। चीन से पाकिस्तान जा रहे एक जहाज को मुंबई में रोक लिया गया है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि इस जहाज में कुछ ऐसा है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए किया जा सकता था। कस्टम अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर माल्टा के झंडे वाले व्यापारिक जहाज सीएमए सीजीएम अत्तिला को 23 जनवरी को बंदरगाह पर रोका। जांच के दौरान इसमें कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) मशीन भी मिली, जिसे एक इटैलियन कंपनी ने बनाया था।

सीएनसी मशीनों को कंप्यूटर से कंट्रोल किया जाता है, ऐसा मैनुअली करना पॉसिबल नहीं है। डीआरडीओ की एक टीम ने भी जहाज में लदी खेप का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि जहाज में लदी चीजों का इस्तेमाल पड़ोसी देश अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए कर सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह इक्विपमेंट पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण हो सकता है। गौरतलब है कि 1996 के बाद से, सीएनसी मशीनों को वासेनार अरेंजमेंट में शामिल किया गया है। यह एक इंटरनेशनल आर्म्स कंट्रोल है, जिसका उद्देश्य नागरिक और सैन्य उपयोग दोनों के साथ उपकरणों के प्रसार को रोकना है।

सीएनसी मशीनों का इस्तेमाल उत्तरी कोरिया में न्यूक्लियर प्रोग्राम्स के लिए किया गया था। मुंबई पोर्ट के अधिकारियों ने भारतीय सुरक्षा अधिकारियों को इस बारे में अलर्ट किया था। इसके बाद निरीक्षण किया गया और कंसाइनमेंट को सीज कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों की जांच में संकेत मिले हैं कि 22,180 किलोग्राम वजन की खेप ताइयुआन माइनिंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड द्वारा भेजी गई थी। इसे कॉसमॉस इंजीनियरिंग के लिए पाकिस्तान ले जाया गया था। यह पहली बार नहीं है ब भारतीय बंदरगाह अधिकारियों ने चीन से पाकिस्तान भेजे जाने वाले इस तरह के दोहरे उपयोग वाले सैन्य-ग्रेड आइटम जब्त किए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि चिंता यह है कि पाकिस्तान चीन से उन चीजों को हासिल कर सकता है, जिस पर यूरोप और अमेरिका ने बैन लगा रखा है। पाकिस्तान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के लिए चीनी समर्थन भी परेशान करने वाली बात है। गौरतलब है कि 2020 में मिसाइल बनाने के लिए खास ऑटोक्लेव को पाकिस्तान जाने वाले चीनी जहाज पर औद्योगिक उपकरण के रूप में छुपाया गया था। जांच का मकसद यह पता लगाना है कि क्या इन संदिग्ध पाकिस्तानी संस्थाओं ने दोहरे इस्तेमाल वाली इन सामग्रियों की आपूर्ति डिफेंस साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑर्गनाइजेशन (डीईएसटीओ) को की है।

दिल्ली में एक कार एक्सीडेंट में तीन की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में एक कार के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने रविवार को कहा कि दक्षिण-पूर्व दिल्ली में कार डिवाइडर से टकराई, विपरीत कैरेजवे पर गई और एक ट्रक से टकरा गई। कार में सवार सात लोग फरीदाबाद में एक शादी समारोह से लौट रहे थे जब बदरपुर फ्लाईओवर पर यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान ओखला के संजय कॉलोनी निवासी राज (21), संजू (38) और दिनेश (22) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि अंसुल (18) की हालत गंभीर है, जबकि नीरज (18), अजीत (28) और विशाल (28) का इलाज चल रहा है। ये सभी एक ही इलाके के रहने वाले हैं।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) राजेश देव ने कहा कि बदरपुर पुलिस स्टेशन में घटना के बारे में शनिवार दोपहर 12:48 बजे एक कॉल आई।

डीसीपी ने कहा, बदरपुर फ्लाईओवर पर, मारुति ऑल्टो कार चालक ने नियंत्रण खो दिया और डिवाइडर से टकरा गई और फिर विपरीत कैरिजवे पर चली गई जहां वह एक ट्रक से टकरा गई। सभी सात लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर में स्थानांतरित कर दिया गया।

डीसीपी ने बताया कि वे सभी फरीदाबाद निवासी अपने रिश्तेदार सोहन लाल की शादी के रिसेप्शन में शामिल होने गए थे।

बर्फबारी से हिमाचल में संकट, लाहौल में हिमस्खलन से दुकानें क्षतिग्रस्त

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के सुदूर लाहौल-स्पीति जिले में रविवार को भारी बर्फबारी के बाद हिमस्खलन की सूचना मिली है। राजस्व अधिकारी के हवाले से एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि लाहौल उपमंडल में तांदी पुल के पास हिमस्खलन हुआ। इसके नीचे कुछ दुकानें आंशिक रूप से दब गई हैं। हालांकि, इस आपदा में जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

हिमस्खलन के बाद हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यात्रा परामर्श भी जारी किया है। अधिकारियों ने कहा कि चंबा, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और कुल्लू जिलों के अंदरूनी इलाकों में हिमस्खलन का खतरा है।

इस बीच, मौसम कार्यालय ने कहा कि मंगलवार से पश्चिमी विक्षोभ इस क्षेत्र से लौटना शुरू हो जाएगा, जो – कैस्पियन सागर से उत्पन्न होने वाली और अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र में आगे बढऩे वाली तूफान प्रणाली है। इसमें कहा गया है कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले 24 घंटे में राज्य के कई स्थानों पर व्यापक बारिश और बर्फबारी हुई। मंगलवार रात से क्षेत्र में एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है।

ताज नगरी में हाफ मैराथन के लिए तीन हजार लोगों ने लगाई दौड़

आगरा (आरएनएस)। आगरा स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित हाफ मैराथन में लगभग तीन हजार धावकों ने हिस्सा लिया। बादलों से ढके आसमान में प्रभात की किरणें बिखरने से पहले हजारों धावक स्टेडियम में मौजूद थे। जीतने की ख्वाहिश से अधिक मैराथन में हिस्सा लेना उन्हें ज्यादा उत्साहित कर रहा था।

उनके इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए ढोल नगाड़े, धमाकेदार म्यूजिक पर वार्म अप थे। 7 वर्ष के बच्चों से लेकर 90 वर्ष तक की उम्र के लगभग तीन हजार लोगों ने रविवार को आगरा स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एकलव्य स्टेडियम से प्रारम्भ हुई मैराथन में जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।

मैराथन में हिस्सा लेने के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों से धावक पहुंचे थे। तीन वर्गों (5 किमी, 10 किमी, 21 किमी की हॉफ मैराथन) में आयोजित मैराथन का शुभारम्भ आगरा के पहले आयरन मैन ऋदिम गर्ग ने झंडी दिखाकर किया।

डॉक्टर, व्यवसायी, गृहणियां, समाजसेवी हर वर्ग के लोग इस मैराथन में शामिल हुए।

एडीशनल कमिश्नर प्रशासन आगरा राजेश कुमार व एसीपी ट्रैफिक अरीब अहमद ने भी 21 किमी के हॉफ मैराथन में हिस्सा लिया। ज्यादातर धावकों ने 21 किमी के मैराथन को डेढ़ घंटा, 10 किमी के मैराथन को 45 मिनट व 5 किमी के मैराथन को आधे घंटे में पूरा किया। जगह-जगह धावकों के लिए हाइड्रेशन प्वाइंट लगाए गए थे।

मैराथन के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आगरा में पहली बार आयोजित मैराथन को लेकर लोगों में इतना उत्साह था कि आयोजकों को ऑन द स्पॉट भी रजिस्ट्रेशन करने पड़े।

आगरा स्पोर्ट्स फाउंडेसन के अध्यक्ष डॉ. विकास मित्तल ने बताया कि लगभग ढाई हजार रजिस्ट्रेसन हुए, जिससे मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या 3 हजार से अधिक पहुंच गई।